हिंदी दैनिक

रहस्य संदेश

100 लखनऊ व एटा से प्रकशित मंगलवार, 09 अप्रैल 2024 R.N.I. No.: UPHIN/2007/20715 पृ

कृषि विज्ञान केन्द्र ने मनाया स्वर्ण जयंती समारोह

अनवर अशरफ

कानपुर । चंद्र शेखर आजाद कृषि एवम प्रौद्योगिक विद्यालय कानपुर द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र, अनौगी के अध्यक्ष डॉ वी के कनौजिया को कृषि विज्ञान केन्द्र के स्वर्ण जयंती समारोह के उपलक्ष्य में निदेशक प्रसार डॉ आर के यादव द्वारा मशाल सौंपी गई। स्वर्ण जयंती कार्यक्रम के अवसर पर डॉ वी के कनौजिया ने सभी को बधाईयां देते हुए कृषि विज्ञान केंद्र की महत्ता एवं प्रसार कार्यों पर प्रकाश डाला और कहा कि 1974 में प्रथम कृषि विज्ञान केंद्र पुदुचेरी में स्थापना के बाद देश के विभिन्न जनपदों में खुले केवीके द्वारा कृषि,पशुपालन, दुग्ध उत्पादन और औद्यानिक उत्पादनों में नि: संदेह बढ़ोतरी हुई है।जिसमें के वी के की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने जनपद कन्नौज में आलू के उत्पादन में हुई बढ़ोतरी , मक्का के साथ सहफसली खेती को बढ़ावा देने के विषय में बताया।केंद्र के वैज्ञानिकों ने अपने - अपने विषय से संबंधित तकनीकी उपलब्धियों के विषय में बताया।इस कार्य क्रम में 50 से अधिक किसानों एवं नवयुवकों ने उत्साह पूर्वक प्रतिभाग किया और के वी के की भूमिका की भूरि भूरि प्रशंसा की। और कहा कि जिस तरह से वैज्ञानिक खेतों खलिहानों तक जाकर तकनीकी जानकारी दे रहे हैं,उससे हमारा जीवन स्तर निश्चित रूप से बेहतर हो रहा है। इस अवसर पर वैज्ञानिक डॉ अरविंद कुमार, डॉक्टर सी के राय, डॉक्टर चंद्रकला यादव सहित अन्य वैज्ञानिक एवं क्षेत्रीय किसान उपस्थित रहे।

प्रथम शैलपुत्री

लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

जन एक्सप्रेस

लखनऊ | वर्ष: 15 | अंक: 176 | मूल्य: ₹ 3.00/- | पेज : 12 | मंगलवार | 09 अप्रैल, 2024

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

देवी दुर्गा अपने पहले स्वरूप में शैलपुत्री के नाम से जानी जाती हैं। उनका यह रूप अपने पति के आत्मसम्मान के लिए सब कुछ न्यौछावर करने वाली पत्नी का प्रतीक है।

कृषि विज्ञान केंद्र, अनौगी के अध्यक्ष डॉ.वी.के. कनौजिया को सौंपी गई मशाल

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

चंद्र शेखर आजाद कृषि एवम प्रौद्योगिक विद्यालय के निदेशक प्रसाद डॉ.आर.के.यादव ने कृषि विज्ञान केंद्र के स्वर्ण जयंती समारोह के उपलक्ष में कृषि विज्ञान केंद्र, अनौगी के अध्यक्ष डॉ.वी.के.कनौजिया को मशाल सौंपी। इस अवसर पर डॉ.कनौजिया ने सभी को बधाईयां देते हुए कृषि विज्ञान केंद्र की महत्ता एवं प्रसार कार्यों के विषय में बताया।

उन्होंने कहा कि 1974 में प्रथम कृषि विज्ञान केंद्र पुदुचेरी में स्थापना के बाद देश के विभिन्न जनपदों में खुले केवीके द्वारा कृषि, पशुपालन, दुग्ध उत्पादन और औद्यानिक उत्पादनों में निः संदेह बढ़ोत्तरी हुई है।

जिसमें के वी के की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। कार्य क्रम में 50 से अधिक किसानों एवं नवयुवकों ने उत्साह पूर्वक प्रतिभाग किया।

इस अवसर पर वैज्ञानिक डॉ.अरविंद कुमार, डॉ.सी.के.राय, डॉ. चंद्रकला यादव सहित अन्य वैज्ञानिक एवं क्षेत्रीय किसान मौजूद रहे।

शहर दायरा न्यूज

कानपुर, मंगलवार 9 अप्रैल 2024

कृषि विज्ञान केन्द्र ने मनाया स्वर्ण जयंती समारोह

कानपुर-सीएसए द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र, अनौगी के अध्यक्ष डॉ वी के कनौजिया को कृषि विज्ञान केन्द्र के स्वर्ण जयंती समारोह के उपलक्ष्य में निदेशक प्रसार डॉ आर के यादव द्वारा मशाल सौंपी गई स्वर्ण जयंती कार्यक्रम के अवसर पर डॉ वीके कनौजिया ने सभी को बधाईयां देते हुए कृषि विज्ञान केंद्र की महत्ता एवं प्रसार कार्यों पर प्रकाश डाला और कहा कि 1974 में प्रथम कृषि विज्ञान केंद्र पुद्दुचेरी में स्थापना के बाद देश के विभिन्न जनपदों में खुले केवीके द्वारा कृषि,पशुपालन, दुग्ध उत्पादन और औद्यानिक उत्पादनों में नि: संदेह बढ़ोतरी हुई है जिसमें के वीके की महत्वपूर्ण भूमिका रही है उन्होंने जनपद कन्नौज में आलू के उत्पादन में हुई बढ़ोतरी , मक्का के साथ सहफसली खेती को बढ़ावा देने के विषय में बताया।केंद्र के वैज्ञानिकों ने अपने - अपने विषय से संबंधित तकनीकी उपलब्धियों के विषय में बताया इस कार्यक्रम में 50 से अधिक किसानों एवं नवयुवकों ने उत्साह पूर्वक प्रतिभाग किया और के वीके की भूमिका की भूरि-भूरि प्रशंसा की और कहा कि जिस तरह से वैज्ञानिक खेतों खलिहानों तक जाकर तकनीकी जानकारी दे रहे हैं,उससे हमारा जीवन स्तर निश्चित रूप से बेहतर हो रहा है इस अवसर पर वैज्ञानिक डॉ अरविंद कुमार, डॉक्टर सी के राय, डॉक्टर चंद्रकला यादव सहित अन्य वैज्ञानिक एवं क्षेत्रीय किसान उपस्थित रहे

ब्रह्म

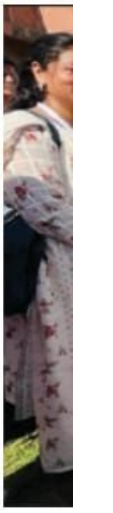

शहर
कानपु
एफ टी
गंगा
जागरू
अवसर
कानपु
प्रधाना
उपस्थि
ड्रीम
वर्ल्ड
संचाल
केंद्र
टास्क
अरविंद
कंपनी
दिशा
स्वच्छ
जल

अमर उजाला 09/04/2024

केवीके अनौगी में आई स्वर्ण जयंती मशाल

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि की ओर से संचालित कृषि विज्ञान केंद्र, अनौगी के अध्यक्ष डॉ. वीके कनौजिया को केवीके स्वर्ण जयंती मशाल सौंपी गई। डॉ. कनौजिया ने कृषि विज्ञान केंद्र की महत्ता एवं प्रसार कार्यों पर प्रकाश डाला। केंद्र के वैज्ञानिकों ने तकनीकी उपलब्धियों की जानकारी दी। इस अवसर पर वैज्ञानिक डॉ. अरविंद कुमार, डॉ. सीके राय, डॉ. चंद्रकला यादव मौजूद रहे। (ब्यूरो)

राष्ट्रीय
सहारा
कानपुर • मंगलवार • 9 अप्रैल • 2024

फसली उत्पादन वृद्धि में केवीके की अहम भूमिका

कानपुर। कृषि विज्ञान केन्द्र के स्वर्ण जयंती समारोह में कृषि वैज्ञानिकों ने कहा कि विभिन्न फसली उत्पादनों की वृद्धि में केवीके की अहम भूमिका है। इस मौके पर कृषि विज्ञान केन्द्रों की भूमिका, उनकी महत्ता और उपयोगिता की चर्चा की गयी। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विद्यालय कानपुर द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र, अनौगी के अध्यक्ष डॉ. वीके कनौजिया को स्वर्ण जयंती समारोह के उपलक्ष्य में निदेशक प्रसार डॉ. आरके यादव ने मशाल सौंपी। स्वर्ण जयंती कार्यक्रम के अवसर पर डॉ. वीके कनौजिया ने सभी को वधाइयां देते हुए कृषि विज्ञान केंद्र की महत्ता और प्रसार कार्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि 1974 में प्रथम कृषि विज्ञान केंद्र पुडुचेरी में स्थापना के वाद देश के विभिन्न जनपदों में खुले केवीके ने कृषि, पशुपालन, दुग्ध उत्पादन और औद्यानिक उत्पादनों की वढ़ोतरी में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने जनपद कन्नौज में आलू के उत्पादन में हुई वढ़ोतरी, मक्का के साथ सहफसली खेती को वढ़ावा देने के विपय में वताया। केंद्र के वैज्ञानिकों ने अपने-अपने विपय से संवंधित तकनीकी उपलब्धियों के विपय में वताया। इस कार्यक्रम में 50 से अधिक किसानों व नवयुवकों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया और केवीके की भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि जिस तरह से वैज्ञानिक खेतों, खलिहानों तक जाकर तकनीकी जानकारी दे रहे हैं, उससे हमारा जीवन स्तर निश्चित रूप से वेहतर हो रहा है। इस अवसर पर वैज्ञानिक डॉ. अरविंद कुमार, डॉ. सीके राय, डॉ. चंद्रकला यादव सहित अन्य वैज्ञानिक व क्षेत्रीय किसान उपस्थित रहे।

अमर भारती
एक उम्मीद
: 03 रु. RNI No. UPHIN/2011/46455 www.amarbharti.com मंगलवार, 09 अप्रैल 2024 शक सम्व

कृषि विज्ञान केन्द्र ने मनाया स्वर्ण जयंती समारोह

अमर भारती ब्यूरो

कानपुर। सीएसए द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र, अनौगी के अध्यक्ष डॉ वी के कनौजिया को कृषि विज्ञान केन्द्र के स्वर्ण जयंती समारोह के उपलक्ष्य में निदेशक प्रसार डॉ आर के यादव द्वारा मशाल सौंपी गई। स्वर्ण जयंती कार्यक्रम के अवसर पर डॉ वी के कनौजिया ने सभी को बधाईयां देते हुए कृषि विज्ञान केंद्र की महत्ता एवं प्रसार कार्यों पर प्रकाश डाला और कहा कि 1974 में प्रथम कृषि विज्ञान केंद्र पुदुचेरी में स्थापना के बाद देश के विभिन्न जनपदों में खुले केवीके द्वारा कृषि,पशुपालन, दुग्ध उत्पादन और औद्यानिक उत्पादनों में निः संदेह बढ़ोतरी हुई है।जिसमें के वी के की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने जनपद कन्नौज में आलू के उत्पादन में हुई बढ़ोतरी , मक्का के साथ सहफसली खेती को बढ़ावा देने के विषय में बताया।केंद्र के वैज्ञानिकों ने अपने - अपने विषय से संबंधित तकनीकी उपलब्धियों के विषय में बताया।इस कार्य क्रम में 50 से अधिक किसानों एवं नवयुवकों ने उत्साह पूर्वक प्रतिभाग किया और के वी के की भूमिका की भूरि भूरि प्रशंसा की। और कहा कि जिस तरह से वैज्ञानिक खेतों खलिहानों तक जाकर तकनीकी जानकारी दे रहे हैं,उससे हमारा जीवन स्तर निश्चित रूप से बेहतर हो रहा है। इस अवसर पर वैज्ञानिक डॉ अरविंद कुमार, डॉक्टर सी के राय, डॉक्टर चंद्रकला यादव सहित अन्य वैज्ञानिक एवं क्षेत्रीय किसान उपस्थित रहे।